

आत्मविस्मृति स्त्री. (तत्.) अपने आप को भूल जाने या अपनी सुध-बुध न रहने की स्थिति।

आत्मशक्ति स्त्री. (तत्.) [आत्म+शक्ति] 1. भीतर की शक्ति 2. विकट परिस्थितियों में भी सबल रहने की शक्ति।

आत्मशासन पुं. (तत्.) 1. स्वराज्य 2. स्वनियंत्रण 3. स्वयं पर नियंत्रण।

आत्मश्लाघा वि. (तत्.) आत्म-प्रशंसा, अपनी तारीफ।

आत्मश्लाघी वि. (तत्.) स्वयं अपनी प्रशंसा करने वाला।

आत्मसंघर्ष पुं. (तत्.) मन के भीतर परस्पर-विरोधी विचारों का टकराव, किसी बात पर निर्णय करने से पूर्व मन ही मन तर्क-चिंतन।

आत्मसंभव पुं. (तत्.) [आत्म+संभव] स्वयं संभवित, स्वयंभू पुं. संतान, पुत्र।

आत्मसंमोहन पुं. (तत्.) [आत्म+संमोहन] मनो. स्वतः प्रेरित संमोहन।

आत्मसंयम पुं. (तत्.) [आत्म+संयम] अपने आप पर पूर्ण नियंत्रण, इंद्रियों और मन को वश में रखना, जितेंद्रियता।

आत्मसंयमी वि. (तत्.) [आत्म+संयमी] अपने उपर संयम रखने वाला, इंद्रियों और मन पर संयम रखने वाला, जितेंद्रिय।

आत्मसंवेदन पुं. (तत्.) [आत्म+संवेदन] 1. आत्मा का बोध, आत्म-अनुभव 2. उद्दीपन के प्रति अधिक संवेदनशीलता।

आत्मसंसूचन पुं. (तत्.) [आत्म+संसूचना] समाज. निश्चित कार्य हेतु भीतर से उत्पन्न सुझाव, निजी व्यक्तित्व से प्रेरित सुझाव, अंतःप्रेरित संसूचन।

आत्म-संस्कार पुं. (तत्.) अपना सुधार।

आत्मसमर्पण पुं. (तत्.) [आत्म+समर्पण] हथियार डाल देना, स्वयं को किसी के अधीन कर देना, अपनी सत्ता समाप्त कर देना।

आत्मसम्मान पुं. (तत्.) अपनी हैसियत या अपने व्यक्तित्व के प्रति आदर की भावना प्रयो.

वह किसी की चिरौरी नहीं करेगा क्योंकि वह आत्मसम्मान के साथ समझौता नहीं करेगा।

आत्मसाक्षात्कार पुं. (तत्.) [आत्म+साक्षात्कार] 1. आत्मा का प्रत्यक्ष ज्ञान 2. ब्रह्म का प्रत्यक्ष ज्ञान 3. आत्मानुभूति।

आत्मसाक्षी वि. (तत्.) [आत्म+साक्षी] आत्मा का द्रष्टा, ब्रह्म ज्ञानी।

आत्मसात् वि. (तत्.) 1. जो अपने अधिकार में या अपने वश में कर लिया गया हो 2. स्वयं में मिला लिया गया।

आत्मसात्करण पुं. (तत्.) आत्मसात् करने की क्रिया 1. अपने जैसा बनाकर अपने में मिला लेना या समा लेना। assimilation

आत्मसाधन पुं. (तत्.) [आत्म+साधन] 1. आत्मा का साक्षात् ज्ञान 2. ब्रह्म का प्रत्यक्ष ज्ञान।

आत्मसाधना स्त्री. (तत्.) योग. आत्मपरिष्कार, सिद्धि प्राप्त करने के लिए स्वयं को अभीष्ट उच्च लक्ष्य की प्राप्ति के योग्य बनाना।

आत्मसिद्धी स्त्री. (तत्.) [आत्म+सिद्धी] 1. आत्मा-परमात्मा का ज्ञान 2. आत्म साक्षात्कार, मोक्ष।

आत्मसेवी वि. (तत्.) [आत्म+सेवा] केवल अपनी चिंता करने वाला, स्वार्थी, खुदगर्ज।

आत्मस्तुति स्त्री. (तत्.) [आत्म+स्तुति] अपनी बड़ाई, अपनी प्रशंसा, अपना गुण-गान।

आत्मस्वीकृति स्त्री. (तत्.) [आत्म+स्वीकृति] अपराध स्वीकार करने की क्रिया/अपराधी का सरकारी गवाह बनने की क्रिया।

आत्महंता स्त्री. (तत्.) 1. आत्मघाती 2. अपना भला न देखने वाला 3. धर्म-विरोधी 4. अपनी आत्मा की आवाज़ के विरुद्ध आचरण करने वाला।

आत्महत्या स्त्री. (तत्.) [आत्म+हत्या] अपने आप को मार डालना, खुदकशी, आत्मघात।

आत्महनन पुं. (तत्.) [आत्म+हनन] अपने आप हनन का भाव, आत्महत्या।